











# आमजन के लिए सड़क सुरक्षा के नियम

## जीवन का महत्व वो ही जाने, सुरक्षा के नियम जो कोई माने।

1. अपने वाहन को अत्यधिक सावधानी से चलायें व आगे वाले वाहन से दूरी बनाये रखें, ताकि जरूरत पडने पर ब्रेक लागाकर सुरक्षित दूरी पर रोक सकें। अधिक आबादी वाले क्षेत्र में धीमी गति से वाहन चलायें।
2. सामने से आते वाहन की लाइटों की चकाचौंध के समय गाड़ी की गति कम कर लें और डिपर का प्रयोग करें।
3. गाड़ी को पार्क करते समय सड़क के मुख्य भाग से करीब 5 से 10 फीट हट कर साइड में पार्क करें। गाड़ी इस प्रकार खड़ी करें कि इससे यातायात में बाधा नहीं हों।
4. गाड़ी हमेशा अपनी बाईं ओर चलायें एवं चलते समय यथासंभव बांयी तरफ से आगे निकलने की कोशिश न करें।
5. ऐसी जगह जहां एक रास्ता दूसरे रास्ते से मिलता हो, गाड़ी को धीमी कीजिए और सावधानी से आगे बढ़िये। यू टर्न हमेशा बांये व दांये देखकर सावधानी से करें।
6. सड़क के बीचों बीच सवारी लेने या उतारने के लिए गाड़ी कभी खड़ी न करें व पाठशालाओं के सामने से गाड़ी धीमी गति से चलावें।
7. चौराहे पर खड़े ट्रैफिक पुलिस के सिपाही के संकेतों एवं ट्रैफिक लाइटों का तत्काल पालन करें। यदि आपको रुकने का संकेत मिला है, तो स्टॉप लाइन से आगे न बढ़ें। क्रोध न करें। हंसमुख रहने वाले वाहन चालक ही वास्तव में सुरक्षित एवं कुशल चालक सिद्ध होते हैं।
8. वाहन चलाते समय किसी प्रकार की नशीली वस्तु का सेवन न करें। नशा करके वाहन चलाने वाले दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। अतः नशे की हालत में कभी वाहन न चलायें।
9. सड़क पर लगे ट्रैफिक संकेतों की पूरी जानकारी रखें। यह जानकारी आपको एक अच्छा मोटर चालक सिद्ध करेगी।
10. दुर्घटना होने पर तुरंत फोन द्वारा पुलिस को कंट्रोल रूम नं. 100 पर तथा एम्बुलेंस को नं. 108 पर सूचना दें। घायलों को अस्पताल पहुंचायें, यह आपका परम कर्तव्य है। याद रखें, घायल को प्रथम स्वर्ण घंटे (Golden Hour) के दौरान अस्पताल अथवा चिकित्सक तक पहुंचाकर उसका जीवन बचाया जा सकता है। मूलभूत जीवन रक्षा प्रणाली (B.L.S. Course) की समुचित जानकारी चालक व परिचालक एवं पुलिस कर्मियों को होना बहुत उपयोगी है।
11. दुपहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग करें, जीप व कार चालक सीट बेल्ट का प्रयोग करें। सुरक्षा हेतु यह अत्यंत उपयोगी है।
12. जगह-जगह से सवारियां बैठाने वाली जीप अवैध है। अवैध वाहन, भार वाहन एवं जुगाड़ में यात्रा करना खतरनाक है। समय व पैसे की बचत के लालच में इनमें बैठकर खतरा मोल नहीं लें। वाहन की छत पर बैठकर या लटककर यात्रा नहीं करें एवं न करने दें। भार वाहन में क्षमता से अधिक माल नहीं भरें तथा खतरनाक ढंग से माल/सवारी का परिवहन नहीं करें।
13. बिना नंबर प्लेट का वाहन चलाना, आपके संदिग्ध चरित्र का प्रतीक है एवं दण्डनीय है। वाहन का रजिस्ट्रेशन, झाइविंग लाइसेंस, बीमा, पी.यू.सी. तथा परिवहन वाहन में परमिट, फिटनेस, टैक्स आदि समस्त प्रपत्र वैध तथा साथ होने चाहिए। दुर्घटना होने पर प्रपत्र वैध नहीं होने के कारण बीमा क्लेम मिलने में समस्या हो जाती है।
14. माता-पिता एवं बुजुर्ग अवयस्क बच्चों को वाहन नहीं चलाने दें तथा 18 से 25 वर्ष के युवकों को वाहन धीरे व सावधानी से चलाने की नसीहत समय-समय पर देते रहें।
15. मोबाईल फोन दुर्घटना का कारण बन सकता है, वाहन चलाते समय इसका प्रयोग नहीं करें।
16. ओवरटेकिंग (आगे निकलना): सकड़ी पुलिस, चढ़ाई, अन्धे मोड़ चौराहे पर आगे न निकले। अन्धे मोड़ पर हॉर्न बजाते हुए आगे बढ़ें। आगे निकलते समय अत्यधिक सावधानी रखें, सामने का मार्ग सुरक्षित व बाधा रहित नजर आने पर ही ओवरटेकिंग करें। यदि ओवरटेक कर रहे वाहन को कारणवश ओवरटेक करने से मना करना हो तो दायां हाथ सड़क के समानान्तर सीधा फैलाकर हथेली जमीन की तरफ रखकर ऊपर-नीचे करके पीछे चलने का संकेत दें। तथा साइड देने की जगह मिलने पर हथेली सामने की ओर रखकर हाथ को आगे पीछे करके ओवरटेक करने की अनुमति का संकेत दें।
17. एक साथ दो लेन का इस्तेमाल नहीं करें, लेन बदलते समय तथा हाईवे पर चढ़ते व छोड़ते समय इन्डिकेटर अथवा हाथ के द्वारा उचित संकेतों का प्रयोग करें।

 STOP	 GIVE WAY	 STRAIGHT PROHIBITOR NO ENTRY	 PEDESTRIAN PROHIBITED	 HORN PROHIBITED
 NO PARKING	 NO STOPPING OR STANDING	 SPEED LIMITED 50	 RIGHT HAND CURVE	 LEFT HAND CURVE
 RIGHT HAIR PIN BEND	 LEFT HAIR PIN BEND	 NARROW ROAD AHEAD	 NARROW BRIDGE	 PEDESTRIAN CROSSING
 SCHOOL AHEAD	 ROUND ABOUT	 DANGEROUS DIP	 HUMP OR ROUGH	 BARRIER AHEAD

18. चार लेन की व्यवस्था में बायीं लेन धीमी गति के वाहनों के चलने के लिए और दाहिनी लेन तेज गति के वाहनों के चलने के लिए है। धीमी गति के वाहन दाहिनी लेन पर चलने से पीछे से आ रहे तेज गति के वाहनों से दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं। छः लेन व्यवस्था में सबसे बायें के लेन धीमी गति के वाहन व भारी वाहनों के लिए हैं। मध्यम लेन तेज गति के वाहनों के लिए हैं, सबसे दाहिनी लेन ओवरटेकिंग करने के लिए या दाहिने मुड़ने वाले वाहनों के लिए है।
19. चौराहे पर जैबरा लाइन के आगे सफेद लाइन वाहनों के रुकने की सीमा है। जैबरा लाइन पैदल चलने वालों को सड़क क्रॉस करने का रास्ता देती है तथा यह पैदल चलने वालों का अधिकार है। स्टॉप लाइन के आगे वाहन लाना दण्डनीय है।
20. पहाड़ी इलाके में सफर शुरू करने से पहले अपने वाहन के ब्रेकों की अच्छी तरह जांच कर लें। चढ़ाई या ढलान शुरू होने से पहले ही गाड़ी सही गियर में लायें जिससे चढ़ाई या ढलान के बीच गियर न बदलना पड़े।
21. किसी भी चढ़ाई पर चढ़ने के लिए जो गियर इस्तेमाल किया जाता है उतरने के लिए भी उसी गियर का इस्तेमाल करें।
22. धुंध के कारण रास्ता साफ नहीं दिखता इसलिए जरूरी है कि गाड़ी की हैड लाइटें जलाकर रखें ताकि सामने से आने वाली गाड़ियों के ड्राइवर आपकी गाड़ी को साफ देख सकें।
23. वर्षा और कोहरे के दौरान विशेष सावधानी बरतें एवं धीरे चलें। तेज वर्षा के समय दिन में भी हैड लाइट जलाकर चलना चाहिए, ताकि आपकी गाड़ी दूसरों को आसानी से दिख सकें। वाईपर अच्छी कंडीशन में रखें।
24. कहीं पानी भरी हुई सड़क को पार करना हो तो पानी में घुसने से पहले ही गाड़ी को प्रथम या द्वितीय गियर में ले आयें। पानी का रास्ता पार करने के बाद ब्रेक को कई बार दबायें ताकि ब्रेक ड्रम व ब्रेक शू सूख जायें। जब तक ब्रेक गीला रहता है वह ठीक से काम नहीं करता है।
25. लम्बी यात्रा शुरू करने से पहले हवा, पानी व ईंधन, स्टेपनी, टूल बॉक्स, फैन बेल्ट, होज पाईप आदि की जांच कर लें। ब्रेक एवं हॉर्न सदैव अच्छे होने चाहिए।
26. गाड़ी चलाते हुए दूसरों को यह बताना जरूरी है कि आप क्या करने जा रहे हैं। गाड़ी रिवर्स करने से पहले अच्छी तरह देख लें कि पीछे का रास्ता साफ है या नहीं। आहिस्ता होने, मुड़ने, रुकने आदि का संकेत अवश्य दें।
27. एकाग्रता पूर्वक गाड़ी चलायें एवं ड्राइविंग के दौरान बातों में मशगूल नहीं हों। दुखी अथवा तनावग्रस्त स्थिति में वाहन नहीं चलायें।
28. किसी भी उतार पर खास करके पहाड़ी इलाकों में गियर न्यूटल करके गाड़ी नहीं चलायें। सदैव रोड़ की कंडीशन व स्पीड लिमिट को ध्यान में रख कर ही गाड़ी चलायें।
29. किसी भी तरह की फिसलन हो (जैसे सड़क पर रेत, चिकनाई, मिट्टी पानी की चिकनाई) वहां एकदम जोर से ब्रेक लगाना खतरनाक हो सकता है, अतः सावधानी बरतें। खासकर धूल वाली सड़क पर पहली वर्षा से होने वाली चिकनाई पर सावधानी एवं धीमी गति से वाहन चलायें।
30. समस्त गैजों पर नजर रखें, अगर कोई गैज गड़बड़ नजर आये तो रोक कर चेक कर लें।
31. हर सौ किलोमीटर चलने के बाद सभी टायरों की जांच कर लें। अगर टायर ज्यादा गरम हो गया तो ठण्डा करने के लिए कुछ समय रुक जायें। आगे का टायर फटने से दुर्घटना की संभावना ज्यादा रहती है, अतः आगे के टायर सदैव अच्छी अवस्था में होने चाहिए।
32. लम्बी यात्रा पर चलने से पहले नींद पूरी कर लें। थकान में लम्बा सफर करना खतरनाक है। हमेशा स्वस्थ चित्त होकर गाड़ी चलायें।
33. रात को ओवरटेकिंग करने के लिए पहले हेड लाइट ऊपर-नीचे करके आगे की गाड़ी को सावधान करें। जब रास्ता साफ दिखे, अपनी लाइट नीचे करके ओवरटेक करें। जिस गाड़ी की ओवरटेकिंग हो रही है उसके चालक को अपनी हैड लाइट तब तक नीचे रखनी चाहिए, जब तक ओवरटेक कर रही गाड़ी गुजर नहीं जावे ताकि ओवरटेक कर रहे चालक की आंखें चौंधिया न जायें।
34. रात्रि में अगर एक बत्ती वाली गाड़ी आपकी तरफ आ रही हो तो सावधान रहें। यह न सोचें कि आने वाली गाड़ी मोटरसाइकिल ही है। यह एक चार पाहिए वाली गाड़ी भी हो सकती है, जिसकी सिर्फ एक ही हैडलाइट काम कर रही हो।
35. वाहन के पीछे रिफ्लेक्टर होना चाहिए। दो पहिया/कार/जीप के पीछे की लाइटों के रेटोरिफ्लेक्टिव कवर रिफ्लेक्टर का कार्य करते हैं। किंतु डम्पर, टंक, बस, टैंकर, टंक टैंकर, टैंकर टोली, बैलगाड़ी आदि में पृथक से अच्छे रिफ्लेक्टर पीछे की ओर लगाये जाना परम आवश्यक है।
36. सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि असावधानी (जैसे – ड्राइविंग के दौरान शीशे एडजस्ट करना, स्टीरियो सुनना, विज्ञापन देखना, लाल बत्ती लांघना, हेलमेट का सही प्रयोग नहीं करना) तेज गति, गलत ओवरटेकिंग, विश्राम की कमी एवं नशे का सेवन सड़क दुर्घटना के मुख्य कारण हैं, अतः इनसे बचें।

*ड्राइविंग करते समय सदैव सचेत रहें।*